कड़ी 37

कल की तैयारी

शोध एवं आलेख: डॉ बी.के. त्यागी

समन्वय एवं परिकल्पना: डॉ बी.के. त्यागी

सारांश:

AI ने हमारे जीवन में अपने पकड़ बनानी शुरू कर दी है वो भी बिना आहट के । और अब समय आ गया है कि उसका असर हमारे सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र मे साफ दिखाई पड़ने लगा है । दुनिया के सभी विकसित व विकासशील देश इस क्षेत्र मे अनुसन्धान को बढ़ावा देने की लिये लगातार निवेश कर रहे है । भारत मे भी कृषि, स्वास्थ, उधोग, यातायात व स्मार्ट शहरो की परिकल्पना मे AI को विशेष स्थान दिया जा रहा है । ऐसा अनुमान है की आज का ये AI मे निवेष आने वाले समय मे उस देश की अर्थब्यवस्था को सुधारने व उसे बढ़ावा देने मे एक महत्पूर्ण भूमिका निभाएगा । साथ ही साथ ऐसी भी शंका जाहिर की जा रही है जब स्मार्ट मशीने काम करेगी या उधोगो मे स्वचालन यानि automation होगा तो रोजगार मे अवसर कम होगे । भारत एक युवाओ का देश है । यहाँ AI के कारण रोजगार के अवसरो पर क्या प्रभाव होगा --- आइए जानते है इस '**आने वाला कल**' की इस कड़ी "**कल की तैयारी**" में ।

कलाकार:

राजन: **24 वर्ष का युवक**

भास्कर: **25 वर्ष का बेरोजगार युवक**

अभिनव: **24 वर्ष IT प्रोफेसनल**

कमला: **45 वर्ष घरेलू सहायक**

प्रीति: **24 वर्ष अभिनव की मित्र**

मोम: **50 वर्ष अभिनव की माँ**

एक फ्लेट जिसमे तीन दोस्त एक साथ रहते है । दो IT Expert है और एक अभी काम की तलाश में

दृश्य प्रथम

डोर बेल बजने की आवाज

राजन: भास्कर, दरवाजा खोल देख न कौन है, शायद कमला आंटी होगी ।

भास्कर: में नहीं तू ही जा ---- रात भर इन मच्छरो ने सोने नही दिया - बस अभी आँख लगी है ।

राजन: में भी तो सुबह दो बजे आया हूँ, थोडी देर और सोने दे न यार

भास्कर: सोच लिया मैने, व सोच लिया -----

राजन: सोचना बाद मे कमला आंटी होगी ---- पहले दरवाजा खोल वर्ना नींद छोड़, नाश्ता भी नहीं मिलेगा ।

कमला: नाश्ता तो मैने तैयार कर दिया ।

राजन: (**चौकते हुए**) तुम कब आई कमला आंटी, दरवाजा किसने खोला

कमला: दरवाजा तो खुला हुआ ही था.....

भास्कर: मतलब दो बजे जब तू आया तूने दरवाजा बंद ही नही किया ।

राजन: वो में .... अच्छा गलती किसकी है बाद मे - पहले दरवाजा खोलो

कमला: तुम दोनो पहले आप पहले आप कर रहे हो अभिनव बेचारा बाहर खडा सूख रहा है । मे ही दरवाजा खोलती हूँ ।

भास्कर: सोच लिया मैने, सोच लिया मैने ----

दरवाजा खोलने की आवाज

अभिनव: ये दोनो अभी सो रहे है । लगता है भास्कर को रातभर मच्छरो ने अपना गाना सुनाया है ।

कमला: मच्छर भगाने वाली टिकिया तो खत्म हो गई थी, ये आलसी लाया ही नहीं होगा ।

कमला: अभी - भास्कर भैया कह रहे है । सोच लिया मैने - सोच लिया मैने - - -

अभिनव: क्या सोच लिया ---- पता नही तीन महीने से घर बैठा है । बिना नौकरी के ।

कमला: भैया तुम कुछ Tension ना लो, जल्दी से मुंह हाथ धो लो मे नाश्ता लगाती हूँ ।

दृश्य दो

टेवल पर कप प्लेट और अन्य बर्तन रखने की आवाजे

राजन: कमला आंटी क्या बनाया है?

कमला: डोसा, साम्बर और इडली ....

अभिनव: दिल खुश कर दिया आंटी

भास्कर: सोच लिया मैने ---- सोच लिया मैने

राजन: भास्कर जी, मानते है आप गुगल देवता से ज्यादा जानकारी रखते है पर ये तो बताओ क्या सोच लिया तुमने ।

भास्कर: मे एक ऐसा रोबोट बनाऊंगा जो कमला आंटी की तरह घर के सारे काम करे और खाना भी कमला आंटी जैसा उम्दा बनाए ।

राजन: मतलब कमला आंटी की छुट्टी ?

नाश्ता टेबल पर काटे चाकू व प्लेटो की आवाज

अभिनव: मुझे नही लगता, कि तुम्हारा रोबोट, कमला आंटी जैसे साम्भर डोसा बना सकता है ।

भास्कर: क्यो नही बना सकता, कमला आंटी की सारी मेमोरी की कोडिंग कर के मे इसे सम्भव कर दूंगा ।

राजन: कल तुम मच्छरो वाली कॉइल (coil) तो ला नही पाये - - -

भास्कर: उसके लिये भी मैंन सोच लिया है ।

राजन: सोचते रहना --- वैसे क्या सोचा

भास्कर: एक उड़ते हुए मच्छर को मारने वाला माइक्रो रोबोट?

राजन: मे जब आया था तो तुम ताली बजा रहे थे । शायद मच्छर को मारने की कोशिश कर रहे थे ..... मार पाये क्या ।

भास्कर: अरे भई बडे स्मार्ट मच्छर है - एक भी नही मरा - जैसे ही में उसकी तरफ हाथ बढाता था ।

राजन: वो तुरन्त अपना रास्ता बदल लेता होगा तुम केवल ताली पीट कर रह जाते होगे ।

अभिनव: जब तुम उसे नही मार पाये तो क्या तुम्हारा AI आधारित रोबोट ये काम कर पायेगा ।

राजन: जानते हो कैसा होगा उसका alogorithm, कितना मुश्किल होगा एक मच्छर के दिमाग व उसकी चालो को समझना और उनकी कोडिंग करना ।

भास्कर: तुमने अभी AI की ताकत को पहचाना नही ।

राजन: पहचानी है पर उसकी अपनी सीमाये भी तो सामने आ रही है ।

अभिनव: ये अपने उस स्मार्ट लोक को भूल गया जो आवाज पहचान कर दरवाजा खोलता था ।

राजन: (**हँसते हुए**) याद आया, ये बारिश मे भीग कर घर आया, और सर्दी के कारण इसका गला खराब था ।

अभिनव: स्मार्ट लोक ने इसकी आवाज नही पहचानी और ये बेचारा शाम तक यू ही ठंड मे ठिठुरता रहा ।

भास्कर: वो एक exception यानि अपवाद था । उसमे सुधार की गुंजाइश है.....

कमला: भैया बातो से ही पेट भरते रहोगे - ये लो गरमा-गरम डोसा - - - -

अभिनव: इसी लिये मेरा मानना है AI कभी भी मानव की बुद्धि की बराबरी नही कर सकती ।

भास्कर: लो अब तुम कुछ अपनी बात से पलट रहे हो - यहि तो मे कह रहा हूँ मानव की बुद्धि की अपार क्षमताए है ।

कमला: भैया आप किस मानव की बात कर रहे हो - - - - कही गुप्ता के बेटे मानव की तो नहीं । मुझे तो वो बिल्कुल बेवकूफ लगता है ।

भास्कर: कमला आंटी ----- मानव का मतलब जैसे मे और तुम ।

कमला: तुम्हारा तो मुझे पता नही पर मे अगर बुद्धिमान होती तो घर-घर जाकर लोगो के काम ना करती ।

राजन: लो गुरु जी अब समझाओ कमला आंटी को?

अभिनव: अच्छा छोडो इस बहस को ! कमला आंटी दो दिन के लिये मेरे मम्मी पापा भी आ रहे है ।

कमला: ठीक है भैया जी ---- पर यू अचानक ---- सब ठीक है न -----

भास्कर: हमारा अभिनव कैद होने की तैयारी मे है ।

कमला: इसने कोई जुर्म कर दिया क्या ?

राजन: हां आंटी ---- इसे प्यार हो गया और ये अब शादी कर रहा है ।

भास्कर: उसी लडकी को देखने आ रहे है?

राजन: प्रीति ... यही नाम है ना उसका

अभिनव: हां वही जो HR है .....

राजन: अरे याद आया, उसका आफिस तो तुम्हारे साथ वाले टावर मे ही है न ---

भास्कर: तो कमला आंटी इसे एक डोसा और साम्भर दो फिर न जाने इसे कभी वो स्वाद मिले या न मिले । वैसे मे इसे अपना तैयार किया रोबोट बेच सकता हूँ ।

सभी हँसते है

राजन: आंटी घर को आज थोड़ा और साफ़ सुथरा कर दो कल सुबह ही अंकल-आंटी पहुचने वाले है ।

तभी अभिनव का फोन बजता है

अभिनव: कौन ..... Hello

प्रीति: **(घबराई व दुखी आवाज मे)** अभिनव मुझे तुम से मिलना है ।

अभिनव: शाम को मिलते है ?

प्रीति: नही अभी आ जाओ ?

अभिनव: सब ठीक तो है, तुम रो क्यो रही हो अच्छा में अभी पहुचता हूँ ।

अभिनव: मुझे जाना होगा, प्रीति बहुत परेशान लग रही है ।

राजन: कही उसके माता-पिता ने फिर शादी के लिये मना तो नही कर दिया ।

अभिनव: कितनी मुश्किल से माने, मेरे मम्मी पापा भी कल आ रहे है .... अब कुछ गड़बड़ न हो जाए ।

भास्कर: घबराने से काम नही चलेगा, चलो मुझे भी आज एक इंटरव्यू के लिये उसी तरफ जाना है .... तुम्हे छोड़ दूंगा ... मैने कैब बुक कर ली है ..... बिना ड्राईवर वाली .... AI based driverless car.

टैक्सी के हार्न की आवाज

दृश्य परिवर्तन

(प्रीति और अभिनव: एक रोड साइड पार्क मे बैठे है । प्रीति सुबक रही है ।)

अभिनव: अब रोती ही रहोगी या कुछ बताओगी ..... क्या तुम्हारे मम्मी-पापा ने शादी के लिये मना कर दिया ।

प्रीति: नहीं

अभिनव: तो क्या तुमने अपना इरादा बदल लिया है?

प्रीति: नहीं

अभिनव: तो फिर क्या बात है ।

प्रीति: मुझे लगता है मेरी job चली जाएगी । हमारे आफिस को AI based smart office बनाया जा रहा है ।

अभिनव: तो क्यो तुम्हारी कम्पनी मे HR मैनेजर का काम नही होगा ।

प्रीति: होगा पर अब उसमे आदमी की जरुरत नहीं होगी । उसे AI आधारित मशीने यानि कंप्यूटर ही करेगें ।

अभिनव: अरे हां वो सोफ्टवेयर तो हमारी कम्पनी ने बनाया है ---- में भी उस टीम का हिस्सा रहा हूँ ।

प्रीति: तो मेरी इस हालत के तुम भी कही ना कही जिम्मेदार हो ।

अभिनव: पर आने वाला कल तो ऐसा ही होने वाला है ।

प्रीति: मुझ जैसे न जाने और कितने लोग अब बेरोजगार होगें ।

अभिनव: तुम तो बेकार मे डर रही हो । वो सोफ्टवेयर तो ऐसे बार-बार एक जैसे काम करने मे मदद करेगा जिससे बोरियत होती है, थकान होती है - - - - ऐसे कामो को AI आधारित मशीने अच्छे से कर सकती है ।

प्रीति: मुझे मालुम है । ये काम कारो की फैक्ट्री और प्रोडक्शन फैक्ट्रीयों मे मैंने देखा है । ये स्मार्ट मशीने इन कामो को अच्छे से करती है ..... पर मेरा काम तो HR का है कम्पनी को अच्छे से अच्छे technicians or workers की भर्ती करना जिससे कम्पनी का उत्पाद बढे और आमदनी बड़े ।

अभिनव: मुझे लगता है तुम्हे परेशान होनी की जरुरत नहीं ।

प्रीति: परेशान ..... छटनी शुरू हो चुकी है, कईयों को नोटिस भी मिल गये है । कल तुम्हारे मम्मी पापा आ रहे है । इस uncertainty मे, मे उनसे नहीं मिल सकती - - - -

अभिनव: पर तुम्हे तो नोटिस नही मिला ..... कल मम्मी पापा से मिल लो ..... फिर क्या करना है ..... कैसे करना है ..... उसके बाद सोचेगें ।

प्रीति: लोग कह रहे है AI नया रेव्लुशन है नई क्रान्ति आएगी हमारी जिन्दगी का हर पहलू पर इसका असर दिखेगा ..... दिखने लगा ..... एक बहुत बड़ा वर्ग बेरोजगार हो जाएगा

अभिनव: जरुरी नहीं ऐसा हो । मैने पढ़ा है जब IT revolution आया था तो इसी तरह की शंकाए हुई थी ..... पर देखो आज IT sector सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र है ।

प्रीति: तुम्हारी बात सच हो .....

अभिनव: अपना मूड ठीक करो कल तुम्हे मेरे मम्मी पापा से मिलना है - तुम्हारे मम्मी पापा तो मुझे पास कर चुके है --- हँसते हुए । --- अब देखते है वो क्या तुम्हारा रिपोर्ट कार्ड देते है ।

दृश्य तीन

घर का दृश्य डाइनिंग टेबल पर बैठे है तीनो कमला आंटी प्लेटे रख रही है

राजन: कहां तक पहुचे तेरे पेरेंट्स ।

अभिनव: केवल मम्मी आ रही है, पापा नहीं । ---- उन्हे कोई जरुरी काम आ गया ।

भास्कर: अगर होम मिनिस्ट्री की रजामन्दी हो गई तो समझो तेरा काम बन गया ।

अभिनव: ये प्रीति भी नही पहुंची

कमला: भैया जी थोड़ा सब्र रखो ..... आती होगी

अभिनव: मैने तुमको बताया न अपनी job को लेकर उसे कुछ tension है ।

राजन: किस वजह से

अभिनव: AI की वजह से

भास्कर: AI, समझ गया । देख मैंने पहले ही कहा था AI एक नये युग की शरुआत करेगा ।

राजन: वो हम देख रहे है, ये शुरू हो चुकी है हम जैसे युवाओं का रोजगार छीन कर सब जगह ओटोमेशन हो रहा है ।

भास्कर: हमारे देश में AI आधारित ओटोमेशन का असर तो होगा पर अलग तरह से

राजन/अभिनव: कैसे

भास्कर: यहां ज्यादातर संख्या युवाओं कि है ..... भारत एक युवा देश है ।

अभिनव: तभी तो पहले तेरी नौकरी गई और अब प्रीति की बारी ..... और कही ना कही AI ही इसका जिम्मेदार है ।

भास्कर: वो तो सही पर .....

अभिनव: पर क्या?

भास्कर: ये बदलाव का समय है, हो सकता है कुछ शुरुआति परेशानियां हो पर आने वाला कल भारत में नई तरह की नौकरियों समेत रहने-सहने के ढंग मे एक गुणात्मक बदलाव लाएगा ।

राजन: क्या हमारा समाज, इस बदलाव के लिये तैयार है ।

अभिनव: (कटाक्ष से) और हां वो नये तरह की नौकरी तुम्हे मिल गई क्या .... कल तुम interview देने गये थे ।

भास्कर: ये बदलाव का समय है, थोड़ा इन्तजार करो -----

राजन: तुम तीन महीने से नौकरी का इन्तजार कर रहे हो, अभिनव एक साल से अपनी शादी का और में अपनी सैलरी बढने का ..... ये बदलाव हम पर भारी पड़ रहा है दोस्त ।

अभिनव: हमे लगा था AI की वजह से भी हमारी अर्थब्यवस्था रफ्तार पकड़ेगी ----- पर अब लगता है वो भी इस बदलाव के लिए तैयार नही है ।

भास्कर: देखो भई हमारी अर्थव्यवस्था AI की वजह से रफतार तो पकड़ रही है .....

अभिनव: पर क्या इस रफ्तार ने नई नौकरिया पैदा करी?

भास्कर: AI क्रान्ति हो सकता है कुछ नौकरिया तो खत्म करेगी पर नई नौकरियों के अवसर भी तो पैदा होगें ।

कमला: पहले तुम लोग ये नाश्ता खत्म करो - में अब इसे दुबारा गर्म नहीं करूंगी

अभिनव: (**हँसते हुए**) थोड़े दिन इन्तजार करो, आने वाले समय में ये काम रोबोर्ट करेगा, हर बार हुक्म की तामील करेगा --- क्यों भास्कर

भास्कर: आने वाला समय मशीनो का होगा ... रोबोर्ट और कंप्यूटर वो सब काम करेगें जो आज मानव करता है ।

कमला: क्या भैया, गुप्ता जी का लड़का, क्या अब वो तुम्हारे काम करेगा .... उसके घर का काम तो में कर के आती हूँ । मानव करेगा ..... निकम्मा - सारे दिन हाथ मे फोन लिये पड़ा रहता है ।

डोर बैल बजने का आवाज

अभिनव: लगता है, mom आ गई .....

राजन: ठहरो में दरवाजा खोलता हूँ ।

दरवाजा खोलने की आवाज

राजन: Welcome, प्रीति - हम तुम्हारा ही इन्तजार कर रहे थे ।

प्रीति: मेरे साथ ये महिला भी है, जो नीचे खड़ी तुम्हारा ही नंबर पूछ रही थी ।

राजन: नमस्ते, आंटी, अरे ये तो अभिनव की माता जी है । ये तुम से ही मिलने आई है ।

प्रीति: O Sorry Aunty, नमस्ते, माफ़ करना मैंने आपको पहचाना नहीं

मोम: पहचानती कैसे बेटा, हम तो आज पहली बार मिल रहे है ....

राजन: और अब मिलते रहेगें ....

तीनो हँसते है

(आइए आंटी नाश्ता आपका इन्तजार कर रहा है ।)

मोम: मुझे भी बहुत भूख लगी है ।

राजन: कमला आंटी दो प्लेट और लगाओ....

दृश्य परिवर्तन

मोम: कमला जी, आप खाना बहुत अच्छा बनाती है ।

राजन: मम्मी जी, प्रीति भी बहुत अच्छा खाना बनाती है ।

मोम: प्रीति, अभिनव ने बताया तुम कुछ परेशान हो अपनी job को लेकर

अभिनव: मम्मी जी आप भी तो सामाज शात्र पढ़ाती है ... आपकी क्या राय है ..... AI क्रान्ति से नौकरिया खत्म होगी क्या ?

मोम: देखो बच्चो, तरक्की, तकनीक और नवाचार हमेशा ही रोजगार पर असर डालता है -- पर AI की बजह से हो सकता है, नौकरिया कम हो परन्तु समाप्त नहीं होगी ।

भास्कर: ठीक कहां मम्मी जी ! में भी यही कहता हूँ । ये बदलाव का समय है ।

मोम: AI उन नौकरियों का स्थान तो लेगी ही जहाँ रोज-रोज एक जैसा काम होता है । Automation इसकी जगह लेगी -----

राजन: ये भी तो हो सकता है जिन लोगों का काम ये AI आधारित मशीने लेगी - उन्हे उसी कम्पनी या संस्था मे कुछ और बेहतर और गुणात्मक कार्य दिया जाए -----

मोम: उसके लिये हमे नई नीति, योजनाओं को लाना होगा ।

भास्कर: ये भी तो हो सकता है, जो काम जैसा अभी आप करते है उसके करने का तरीका बदला जाए । यानि आप उसमे AI का उपयोग करे जो आपके काम की गुणवत्ता को बढ़ाने के साथ-साथ आपका समय भी बचाएगा ।

अभिनव: क्यो मम्मी क्या ऐसा नहीं हो सकता की हम भी अपने आपको upgrade करे और जो तकनीक ने नई विकास की दिशा दिखाई है उसी के साथ ही हम भी कदम ताल करे।

मोम: बिल्कुल सही, इसके लिये आने वाले समय में हमे शिक्षा व अन्य नितियों को दुरस्त करना होगा । हमारी नई शिक्षा निति और आने वाली विज्ञान, टेक्नोलॉजी और नवाचार निति इसी दिशा की ओर हमारे कदम है ।

भास्कर: मुझे लगता है, हमारा ये वहम है की AI हमारी नौकरिया ले लेगा । इतिहास के उस समय को याद करो जब घोड़ागाड़ी की जगह बस या मोटर कार ने ले ली थी --- बेरोजगारी तो दिखी पर कुछ समय के लिये, पर फिर transport से जुड़े कितने नये रोजगार पैदा हुए और आज तो ये पूरी industry यानि उधोग है । कितने लोगो को रोजगार मिला हुआ है ।

राजन: यहा पर भी AI का उपयोग बढ़ रहा है --- और नौकरिया जा रही है ।

दरवाजे पर बेल बजने की ध्वनि

राजन: कमला आंटी, दरवाजा खोलो, मैंने मिठाई का order किया था, आज सबका मुंह जो मीठा करना है?

मोम: देखो प्रीति के चेहरे पर अभी भी मुस्कराहट नहीं आई?

प्रीति: पर मम्मी जी AI की वजह से रोजगार सेक्टर में पिछले बदलाव के मुकाबले 10% तेजी से हो रहे है । आज अगर औघोगिक क्रान्ति के समय को बेस लाइन माना जाए तो ये दर पिछले बदलावो की दर से 300% अधिक है और इस हिसाब से जो रोजगार सेक्टर में इसका प्रभाव होगा वो 3000 गुना होगा --- ये सोच कर ही डर लगता है --- - हमारी कम्पनी ने तो छटनी शुरू भी कर दी है ।

मोम: शायद तुम McKinsey Global Institute की एक report के बारे में बात कर रही हो पर इस बदलाव के लिये हमे अपने आपको तैयार करना होगा वर्ना दुनिया के दूसरे देशो के मुकाबले हम कही पीछे रह जायेगें । ये बदलाव तो पूरी दुनिया मे हो रहे है ।

प्रीति: उस दौड़ मे कही मेरे जैसे लोग पीछे न रह जाए ।

भास्कर: नही रहेगें, बल्कि भारत तो इस बदलाव के लिये जिम्मेदार AI का हब बनने जा रहा है।

मोम: नौकरिया विशेषकर छोटे उत्पादन करने वाली कम्पनियों मे AI की वजह से कम हो सकती है । उसमे भी 10 बर्ष का समय लगेगा -- उसके लिये अभी से निराश होने की जरुरत नही है ।

भास्कर: मे भी यही कहता हूँ । AI आज किसी भी देश की आर्थिक और सामाजिक विकास का मुख्य इंजन है । नये क्षेत्र जैसे AI आधारित मशीने, शिक्षा के क्षेत्र मे Deep Machine Learning यानि गहन मशीन शिक्षण के नये-नये क्षेत्र अनुसन्धान के लिये उभर रहे है।

राजन: अरे भास्कर ये ही तो तुम्हारा क्षेत्र है । इसी क्षेत्र मे तुम नौकरी ख़ोज रहे हो ।

भास्कर: हा ये नया क्षेत्र है - यहां मानव मस्तिष्क के कार्य करने की विधि और उसकी जटिलताओं को एक माडल के रूप में उपयोग करती है ।

अभिनव: फिर उसी कोडिंग या कहे प्रोग्राम के आधार पर मशीन कार्य करती है ।

भास्कर: अब तो ऐसी मशीने भी बन रही है जो अपने आस पास के माहोल को समझ सकती है और उसके आधार पर खुद निर्णय ले सकती है ।

प्रीति: मशीन learning यानि ये तो एक तरह की पढ़ी-लिखी मशीन हुई बिल्कुल हमारी-तुम्हारी तरह

भास्कर: हम मशीनो को और intellengent यानि बुद्धिमान बनाने की और अग्रसर है । ये मानव की क्षमताओं को और बल व बढ़ावा देगी

कमला: मानव को और बल - रहने दो भैया - मानव दिन भर पड़ा-पड़ा खाता ही तो है --- (हँसते हुए) और अब की मशीन भी पढेगी, क्या वो भी स्कूल जाएगी ।

अभिनव: कमला आंटी, मशीन लर्निंग का मतलब कंप्यूटर या किसी मशीन को प्रोग्रामिंग के जरिये और सतर्क या सक्षम बनाना है । उन्हे स्कूल भेजना नहीं ।

राजन: भास्कर - ये बीग डाटा ही मशीन लर्निंग का कच्चा माल है न - जिसे कंप्यूटर प्रयोग करता है जिससे वो दिया गया काम अच्छे से कर सके ।

भास्कर: पर कमला आंटी, कितना भी बीग डाटा उपयोग कर लो कोई मशीन तुम्हारे जैसा डोसा, साम्भर और इड्ली नहीं बना सकती ।

कमला: मतलब AI से मेरी नौकरी को कोई खतरा नहीं ।

मोम: बिल्कुल नहीं और ना ही प्रीति की नौकरी को । AI से सम्बन्धित नई नौकरिया जैसे डाटा साइंटिस्ट, डाटा क्वालिटी एनालिस्ट की जरुरत होगी - प्रीति तुम अभी से अपने आपको अपग्रेड क्यो नहीं करती ।

राजन: मे भी तो डाटा एनालिस्ट और AI से सम्बन्धित कोर्स कर रहा हूँ --- अगर कभी मेरी नौकरी जाने लगे तो तुरन्त दुसरे क्षेत्र में चला जाऊं ।

मोम: उत्पादन क्षेत्र मे भी मशीन लर्निंग इंजीनियर की आवश्यकता होगी । और हां - इसी के साथ AI आधारित समाधान देने वाले प्रोग्रामर्स, सोफ्टवेयर इंजीनियर, डिज़ाइनर्स की जरूरत होगी ।

भास्कर: और ये ही बात AI आधारित social sector पर लागू होगी ।

प्रीति: यानि मे बेकार ही एक हफ्ते से परेशान हो रही थी ।

अभिनव: भई जब AI का उपयोग औघोगिक क्षेत्र में होगा तो कम्पनियों को भी डिजिटल skilled वाले कर्मचारी ही तो चाहिएगें ।

मोम: बिल्कुल ठीक इसी लिये AI क्रान्ति का ध्यान रखते हुए हर कम्पनी को अपने कर्मचारियों को आने वाले समय के अनुसार तैयार करना होगा । उन्हे डिजिटलाजेशन करने पर और जोर देना होगा ।

राजन: मम्मी ये जो डॉक्टर, नर्स और अध्यापक है । इनका भी AI का कुछ असर पड़ेगा क्या?

मोम: अगले आने वाले एक दशक तो शायद नहीं ।

भास्कर: पर AI उनकी कार्य क्षमता को बढ़ाएगा

राजन: यानि उन्हे और स्मार्ट बनाएगा - हां उन्हे भी अपने आपको upgrade करना होगा । मेरी तरह ।

मोम: भई आने वाले समय में मानव और टेक्नोलॉजी को साथ-साथ काम करना होगा ।

कमला: टेक्नोलॉजी का तो पता नहीं पर मानव बिल्कुल न करे कुछ भी ---- मे लिख कर दे सकती हूँ ।

भास्कर: (**हँस कर**) हम मानव को समझा बुझा कर मना लेगे साथ काम करने के लिये ।

कमला: उसके माँ बाप से तो आज तक ना हुआ ये --- (सभी हँसते है)

राजन: कमला आंटी, आज लंच मे मम्मी को क्या खिलाओगी - - - कुछ खास बनाना ।

कमला: पहले नाश्ता तो खत्म कर लो --- फिर बताउंगी ---- वो एक secrete हैं ।

अभिनव: क्या तुम्हारे रोबोट ऐसा कर सकता था । वो तो वही बनाता जो हम उसे बताते, पर देखो कमला आंटी ने लंच पर सस्पेंस बना के हमारी उत्सुकता बड़ा दी ----- न जाने आज क्या मिलेगा लंच में

मम्मी: आज पूरी दुनिया मे सामाजिक और आर्शिक ढांचा बदल रहा है । उसका एक कारण AI है ।

अभिनव: हा मम्मी ये तो हम देख ही रहे है । चाहे व्यापार हो या शिक्षा, सरकार संचालन या सामाजिक कल्याण की बात हो । AI हर जगह अपनी भूमिका निभा रही है ।

मम्मी: अब अपनी कमला आंटी को ही देख लो अपने smart phone की वजह से तुम्हे दुनिया भर के खाने पका कर खिला रही है ।

प्रीति: मम्मी मुझे लगता है - जिन कार्यो को करना निरस भरा है । उन्हे AI आधारित स्वचालित किया जा सकता है ।

अभिनव: बिल्कुल ठीक: - खासकर जैसे ग्राहको की समस्या का निपटारण, कॉल सेंटर आपरेशन, दस्तावेजो का वर्गीकरण और Content Moderation, जैसे काम टेक्नोलॉजी Automation के जरिये आसानी से किये जा सकते है ।

भास्कर: और यही बात उत्पाद, मशीनों का संचालन और Operation and report system जैसे कामो पर भी खरी उतरती है । जिन्हे AI आधारित स्वचालित किया जा सकता है, या उनकी जगह स्मार्ट रोबोर्ट ले सकते है ।

मोम: लेकिन आप लोग ये क्यो भूल जाते हो कि AI ने डाटा प्रॉसिसिंग की जो पावर दी है । वो मानव की सीमाओं से परे है ।

कमला: मानव और डाटा ---- अरे बहन जी मानव तो सबके फोन का डाटा खा जाता है । कितने बार तो अपना जरुरी फोन भी उन्होंने मेरा फोन ले कर किया है..... ।

सभी हँसते हुए और तभी प्रीति का फोन बजता है

मोम: प्रीति फोन का नंबर देख कर तुम्हारे चेहरे का रंग क्यो उड़ गया ?

प्रीति: आंटी जी मेरे आफिस से फोन है, हमारे जनरल मैनेजर का ----- शायद लगता है मेरी नौकरी ..... ।

अभिनव: ये अन्दाजा तुमने कैसे लगा लिया ----- इतना नेगेटिव मत हो प्रीति

मोम: बात तो करो ----- फोन उठाओ

फोन उठाने की आवाज

प्रीति: Hello ---- प्रीति here ?

दूसरी ओर से: मे वर्मा बोल रहा हूँ ।

प्रीति: जी सर.... गुड मोर्निंग

दूसरी ओर: तुम्हे तो पता है हम आफिस मे ऑटोमेशन कर रहे है जिसमे AI की मुख्य भुमिका है।

प्रीति: जी सर ...

दूसरी ओर: और तुम्हारा ज्यादातर काम अब मशीन ही करेगी ।

प्रीति: मतलब ---- कि

दूसरी ओर: मतलब ये की अब तुम्हारा काम जल्दी होगा और तुम मशीन के साथ अपने काम की गुणवत्ता भी बढ़ा पाओगी

प्रीति: पर कैसे ---

दूसरी ओर: इसी लिये मैने तुम्हे फोन किया ! अगले हफ्ते हम तुम्हे एक महीने की training पर भेज रहे है की तुम AI आधारित smart machine के साथ काम करना सीख लो ।

प्रीति: आफिस मे अफवाह थी कि ---

दूसरी ओर: कि आफिस का स्टाफ कम किया जा रहा है ।

प्रीति: हां सर ---

दूसरी ओर: पहले मनेजमेंट ने ऐसा ही सोचा था पर बाद मे निर्णय लिया कि ऑटोमेशन के बाद भी हमे स्टाफ की जरुरत होगी --- हाँ उनका कौशल याने स्किल थोडा अलग हो

सकता है --- तो बू बिल्कुल नये लोगो को लेने से अच्छा है पुराने लोगो को ही नए कौशल के लिये ट्रेनिंग पर भेजा जाए.....जिसमे तुम भी शामिल हो - Get Ready and best of luck. तुम पहले बैच के साथ अगले हफ्ते बैंगलौर जा रही हो ।

प्रीति: Thank you Sir (मुस्कराते हुए)

भास्कर: क्यो mom - अब खोल ले मिठाई का डिब्बा ?

मोम: भई मे तो कितने देर से कह रही हूँ --- मे तो दो रसगुल्ले खांऊगी ।

भास्कर: एक अभिनव और प्रीति के लिए और एक केवल प्रीति के लिये ।

राजन: कमला आंटी जल्दी से मिठाई का डिब्बा तो लाना.....

सभी हँसते है